मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–003

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

सी.वी.जी.-003 : वैदिक बीजगणित

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए : 4×20=80

   (i) गुणक समुच्चयः।

   (ii) इष्टोनयुक्तेन गुणेन निघ्नोऽभीष्टघ्नगुण्यान्वित वर्जितो वा।

   (iii) गुण्यस्त्वधोऽधो गुणखण्डतुल्यस्तैः खण्डकैः संगुणितो युतो वा।

(iv) अथ स्थाप्योऽन्त्यवर्गो द्विगुणान्त्यनिघ्नाः, स्व-स्वोपरिष्टाच्च तथाऽपरेऽङ्कास्त्यक्त्वान्त्यमुत्सार्य पुनश्च राशिम्।

(v) समद्विघातः कृतिरुच्यते।

(vi) भक्तो गुणः शुधयति येन तेन लब्धया च गुण्यो गणितः फलं वा।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

(i) समीकरण विधि

(ii) भास्कराचार्य

(iii) नीलकण्ठ सोमयाजी

(iv) अरब एवं यूनान में भारतीय बीजगणित का प्रभाव